एपिसोड 30 (एआई) विज्ञान गल्प

टेक्नोलाजी ट्रांसफर

आलेख: डॉ. सुकन्या दत्ता
संकल्पना एवं समन्वयन: डॉ. बी.के. त्यागी
हिंदी भावानुवाद: डॉ. मनीष मोहन गोरे

मशीनों में इंसानी दिमाग की नकल के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरूआत हुई। इन होशियार मशीनों ने इंसानी गतिविधियों की नकल उतारी। फिर समय के साथ, एआई ने 'काम को सीखना' शुरू कर दिया। ऐसी मशीनें खुद ब खुद सीखने के काबिल बन गईं यानी कि इसने अपने कौशल को अनुभव के जरिये खुद बढ़ाया है। फिर भी कुछ लोगों का मानना है कि इस तरह का मशीनी व्यवहार, इंसानी दिमाग का बुरा अनुमान था। पूरी तरह से इंसान बनने के लिए, मशीनों में इमोशनल इंटेलिजेंस का होना जरूरी है।

तेज रफ्तार, रिजल्ट और सफलता के पीछे भागती दुनिया में जहां इंसान भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से बहुत दूर होता जा रहा है; ऐसे में यह सवाल जहन में आता है कि क्या इंसान, रोबोट जैसा होता जा रहा है या रोबोट हमारी तरह होते जा रहे हैं? कहीं यह हमारे भविष्य के समाज की एक विरोधाभासी तस्वीर तो नहीं?

क्या हम आखिरकार रोबोट के भीतर सभी मानवीय भावनाएं डाल पाएंगे जबकि हम कामयाबी की तलाश में बिना सोचे-समझे मशीन जैसा बनते जा रहे हैं?

क्या यही टेक्नोलाजी ट्रांस्फर है?

पात्र:

श्रीमती: क्रिस्टिन राबर्ट्स: अधेड़ उम्र की महिला

श्रीमती घोष: महिला पात्र

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: बुजुर्ग पुरुष

डॉ. घोष: पुरुष पात्र

संकाय अध्यक्ष: बुजुर्ग पुरुष

अरिजीत: युवा पुरुष

SASI (ससी): पुरुष

पीएम के सुरक्षा गार्ड: दो पुरुषों की आवाजें

विविध उद्घोषणायें: एक पुरुष (पीएम की भी आवाज हं..हं..) और एक महिला स्वर

उद्घाटन संगीत

फोन की घंटी बजती है!

डॉ. घोष: **(सुस्ती के साथ):** गुड मार्निंग SASI, सब ठीक तो है? आपकी काल... इतनी सुबह को.... क्या कहा आपने !! सैमुएल राबर्ट्स बेहोश हो गए हैं?

SASI: **(रोते हुए)** वह मर चुके हैं सर। उनकी मौत पिछली रात हो गयी, जब वे सोते हुए थे। मैं पहले आपसे बात करूं और फिर बाद में उनके रिश्तेदारों से... ऐसा निर्देश मुझे उनके कंप्यूटर के डेस्कटॉप से मिला...

डॉ. घोष: अब समझा, फिर तुमने यह खबर और किसको बताई?

SASI: सर ने मुझे इमरजेंसी के दौरान क्या काम करने हैं, उसकी एक सूची दी थी। जैसे कि अचानक मौत की स्थिति में क्या करना है?

डॉ. घोष: सैमुएल बिल्कुल ऐसा ही है; वह पूरी तरह से व्यवस्थित इंसान था।

SASI: मैं अब क्या करूं? वो मेरे लिए पिता जैसे थे; उनके जाने के बाद मेरे पास कुछ भी नहीं बचा।

डॉ. घोष: SASI, अपने आप को सम्हालो, तुम्हें अपने दुःख पर काबू रखना होगा। अब मुझे ध्यान से बताओ, क्या तुमने उनकी पत्नी क्रिस्टिन से संपर्क किया? मैं जानता हूं कि वो दोनों अलग हो गए हैं, मगर फिर भी उन्हें सूचित करना चाहिए।

SASI: **(सिसकते हुए)** यह काम मैंने कर दिया है।

डॉ. घोष: और उनका बेटा क्रिस्टोफर?

SASI: क्रिस्टोफर यूएसए में है... मैंने उससे बात की है। लेकिन..

डॉ. घोष: **(सूचित किए जाने वाले लोगों के नाम की जानकारी देते हुए SASI को बीच में रोकते हुए...):** डीन के बारे में कुछ पता चला?

SASI: डीन अभी रास्ते में हैं। क्रिस्टिन मैडम भी आ रही हैं। लेकिन सर, क्रिस्टोफर कहता है कि वह समुद्री रोबोट से जुड़े अपने जरूरी काम में बुरी तरह फंसा हुआ है... और अचानक वह सब काम छोड़ कर यहां नहीं आ सकता... उसका मानना है कि उसके पिता की मौत गलत समय पर हुई है।

डॉ. घोष: यह कितनी निष्ठुर बात उसने कही है... क्रिस्टोफर, सैमुएल का इकलौता बच्चा है। क्या वह कुछ दिनों में आ जाएगा... पार्थिव शरीर को हम सुरक्षित रखने की व्यवस्था कर सकते हैं। (आवाज धीरे-धीरे कम होकर समाप्त हो जाती है)

SASI: **(परेशान स्वर में):** क्रिस्टोफर ने कहा है कि भारत एक गर्म और ह्युमिड देश है, सैमुएल का शव रेफ्रीजरेशन के बाद भी सड़ जाएगा। इसलिए उसने, हमें अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने को कहा है।

डॉ. घोष: लेकिन...लेकिन वह उनका इकलौता बेटा है... वह यहां, अंतिम संस्कार में कैसे नहीं आ सकता? और वह कैसे अपने पिता के पार्थिव शरीर को 'शव' कैसे कह सकता है... इस लड़के में लगता है कि कोई मानवीय भावनाएं नहीं हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यह उसका स्वभाव है।

SASI: कृपया नाराज न हों। आप जानते हैं कि सैमुएल सर भी ऐसे ही थे... अपनी भावनाओं को बिल्कुल भी जाहिर नहीं करते थे। उन्हें भी इंसानों से ज्यादा मशीनों

से लगाव था। इस मामले में उनका बेटा उनसे बढ़कर है। कृपया डॉ. सैमुएल के लिए उनके बेटे को भला-बुरा न कहें।

डॉ. घोष: हे भगवान SASI, तुम जो कि उनके साथ सिर्फ कुछ साल से रहते आये हो और तुम्हे उनकी मौत को लेकर इतनी तकलीफ हो रही है ... लेकिन उनके अपने बेटे को नहीं हो रही। खैर SASI, मैं जितनी जल्दी हो सके, आ रहा हूं। अरिजीत को बोलना, मैं उसे रास्ते में ले लूंगा।

SASI: धन्यवाद, सर।

संगीत। सड़क पर चलती हुई कार की आवाज। हार्न बजाते हुए कार रूकती है। एक दरवाजे के बंद होने की आवाज। चहलकदमी और पीछे, तेजी से कार के दरवाजे के बंद होने की आवाज।

अरिजीत: (एक सांस में बोलते हुए): डॉ. घोष मुझे पिक अप करने के लिए आपको शुक्रिया। SASI ने मुझे बुलाया था।

डॉ. घोष: आपका स्वागत है।

कार के स्टार्ट होने और सड़क पर उसके चलने की सामान्य आवाज। हार्न के शोर की आवाज।

अरिजीत: (दुखी स्वर में बोलना शुरू किया): डॉ. सैमुएल ने अपनी मौत का बहुत गलत समय चुना... अगले हफ्ते प्रधान मंत्री के आने से पहले हमें रोबोट को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से एम्पावर करके उसका प्रदर्शन करना है।

डॉ. घोष: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त रोबोट उनके जीवनभर के काम की प्रेरणा थे।

अरिजीत: (गर्व से भरी आवाज): अब मैं इसे प्रधान मंत्री के सामने प्रस्तुत करुंगा।

डॉ. घोष: हां, सैमुएल हमेशा कहा करता था कि तकनीक जीवन को आसान बनाता है। उसके बनाए रोबोट निसंदेह इस बात को सच साबित करेंगे।

अरिजीत: **(हंसते हुए):** वह लोगों से ज्यादा मशीनों को पसंद करते थे। वे कहा करते थे कि मनुष्य सच को नहीं सम्हाल सकता। मशीनें झूठ नहीं बोलतीं। इसलिए मशीनों के साथ काम करना आसान है। लोग भूल जाते हैं, मशीनें नहीं।

डॉ. घोष: सैमुएल की मशीनों पर निर्भरता प्रसिद्ध थी। क्या तुम जानते हो, उनकी अलार्म घड़ी बजते हुए इधर-उधर घुमती है ताकि स्नूज़ बटन को बंद न किया जा सके। उनके गीजर और इलेक्ट्रिक केतली के स्विच उनके जागने से पहले ही आन हो जाते थे।

अरिजीत: नहीं मैं ये नहीं जानता, लेकिन मुझे यह पता है कि उन्होंने अपने पीसी में एक ईमेल प्रोग्राम बना रखा था जिसकी मदद से वे लोगों को दुकानों से सीधा उपहार भेज दिया करते थे। कोई भी जन्मदिन या सालगिरह, उन्हें कभी नहीं भूलता था। लोग उनकी इस अनोखी याद्दाश्त की तारीफ़ करते हैं (हंसते हुए) जिसके लिए वे एक मशीन का सहारा लेते थे।

डॉ. घोष: लेकिन सबसे शानदार तो सैमुएल की कार थी। उसमें बैठने से पहले वे रिमोट की मदद से उसे ठंडा या गर्म कर सकते थे।

अरिजीत: **(आश्चर्यचकित होते हुए):** वाकई में!

डॉ. घोष: उन्होंने नियंत्रण कंसोल इस तरह से डिजाइन किया था कि उन्हें सिर्फ महज डेस्टिनेशन कोआर्डिनेट डालने की जरूरत होती थी। उनकी कार, ट्रैफिक के हिसाब से सैटेलाइट सूचना के जरिये सबसे छोटे रास्ते का पता लगा लेती थी... समझे।

अरिजीत: लेकिन वास्तविक ड्राइविंग?

डॉ. घोष: बम्पर्स पर लगे सेंसर दूसरी कारों से सुरक्षित दूरी पर रहते थे और ब्रेक तथा एक्सेलेटर को पूर्व सूचना दे दिया करते थे।

अरिजीत: मुझे यह नहीं मालूम था... मैंने उन्हें हमेशा ड्राइवर सीट पर बैठे देखा था। उनके हाथ स्टीयरिंग व्हील पर घड़ी में 12 बजे की स्थिति में रहते थे।

डॉ. घोष: **(खिलखिलाकर हंसते हुए):** बस इतना ही था। वह सिर्फ बैठे हुए अपना अंगूठा घुमाते थे।

अरिजीत: **(आश्चर्य भरे स्वर में):** यह माजरा क्या है?

डॉ. घोष: जाहिर तौर पर, गार्ड ने उनकी स्वचालित कार को एक बार रोका भी था और नियमों के आधार पर कार के ड्राइवर सीट पर रहने की हिदायत दी थी।

अरिजीत: ओह!

डॉ. घोष: सैमुएल ने उससे पूछा कि वे बैठे हुए अंगूठा घुमाते हैं और कार अपने आप चलती है... और बेचारे गार्ड को समझ नहीं आया। उसकी नियम पुस्तिका में इस बारे में कोई नियम दर्ज नहीं था ... इसलिए उस दिन से...

अरिजीत: **(वाक्य पूरा करते हुए):** सैमुएल सर, ड्राइवर की सीट पर बैठते और अपना अंगूठा हिलाते थे बल्कि एआई से लैस उनकी स्वचालित कार उन्हें सावधानीपूर्वक फैकल्टी बिल्डिंग में पहुंचा देती थी। **(हंसता है और फिर गंभीरता से बोलता है)** हमें उनकी बहुत याद आएगी। वे एक प्रतिभाशाली वैज्ञानिक थे!

संगीत

एक बड़ी भीड़ की सामान्य आवाज जो कमरे में इकट्ठा है। हबबब.. लेकिन कुछ भी स्पष्ट नहीं होता है।

तब SASI की स्पष्ट आवाज आनी शुरू होती है।

SASI: **(मंच से किसी को)** कृपया बुके और मालाओं को यहां रखिए। विद्यार्थियों रोना नहीं है। डॉ. सैमुएल को भावनाओं में बहना पसंद नहीं था।

छोटे विद्यार्थी फुसफुसाते हुए: हूं! SASI सर खुद तो रो रहे हैं... देखो जरा उनको। और वे हमें रोने से मना कर रहे हैं।

SASI: **(डॉ. घोष को सीधे संबोधित करते हुए):** हां, डॉ. घोष, मैडम राबर्ट्स जल्द ही पहुंचने वाली हैं।

श्री घोष: ईमानदारी से कहूं तो तुम वो सबकुछ कर रहे हो जो क्रिस्टोफर को करना चाहिए। तुम वास्तव में, उनके बेटे हो... शरीर से नहीं, बल्कि आत्मा से।

SASI: **(भावुक होते हुए):** ये तो आपका बड़प्पन है कि आपने ऐसा कहा... मैंने उन्हें हमेशा एक पिता की तरह अपने मार्गदर्शक के रूप में देखा था। जो कुछ भी मैं जानता हूं, वो हर चीज उन्होंने मुझे पिछले दो साल में सिखाया है (यह कहते हुए उसका गला भर जाता है)।

श्री घोष: यह अच्छी बात है कि साथ देने के लिए उनके पास तुम थे। तुम जानते हो SASI, मुझे हमेशा महसूस होता था कि सैमुएल को उसकी निजी जिंदगी में ज्यादा इंसानों की जरूरत थी... क्रिस्टिन और क्रिस्टोफर, उन दोनों का क्या, अब तो वे पास नहीं हैं।

SASI: आपको मालूम है कि उन्होंने रोबोट में बहुत पैसे इन्वेस्ट किए थे। इसमें उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया और रोबोट को ज्यादा से ज्यादा एआई युक्त बनाया। उनके पहले के नमूने काफी साधारण थे। सामान्य एआई ... कोई भावनात्मक अनुपात नहीं। कोई गहन अध्ययन नहीं।

श्री घोष: मैं पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूं कि आपका गहन अध्ययन से क्या मलतब है।

SASI: सैमुएल सर ने मुझे ये भी सिखाया कि यह एआई की एक क्रिया है जो मनुष्य के दिमाग को प्रासेसिंग डेटा में नकल करता है। एआई की डीप लर्निंग को बिना मानव निगरानी के सीखना संभव होता है। यह एक बेहद विकसित एआई है ... आप इसे भविष्य का एआई कह सकते हैं... जो इस क्षेत्र का अंतिम लक्ष्य है...

डॉ. घोष: वस्तुओं के बारे में सीखने, भाषा को पहचानने और निर्णय लेने के लिए मशीनों द्वारा डीप लर्निंग का उपयोग किया जाता है। यह सैमुएल की विशेषज्ञता का क्षेत्र हो सकता है... ठीक है।

SASI: सच में ऐसा ही था।

डॉ. घोष: क्या तुम जानते हो, उन्होंने जापानी हडाली-2 को हेल्डोल 3 में संशोधित किया था? यह शुरूआती रोबोट हमारे लिए चाय बनाता था। मैं पहली बार जब उससे मिला, मैं लगभग बेहोश हो गया था। उसका टिन का चौकोर चेहरा था और मुझे गुड मार्निंग कहते हुए उसने अपनी आंखें झपकाई थीं।

SASI: मैं तुम्हारे डाउट समझ सकता हूं। लेकिन तुम्हें ये याद रखना चाहिए कि वह तुम्हारी इच्छाओं का सम्मान करते थे। उन्होंने पूरे बालों के साथ एक गोल चेहरे वाला हडाली-4 दिया, हालांकि उनकी दिलचस्पी सेंसर से लैस आर्टिफिशियल स्किन में थी जिसका प्रदर्शन काफी अच्छा था।

डॉ. घोष: **(उदासी भरे स्वर में, थोड़ा हिचकिचाते हुए):** अभी उसके बारे में बात करने से कोई फायदा नहीं, लेकिन वह तो हडाली-4 था जिसने उनकी शादी की योजना का बंटाधार किया था।

SASI: आपका क्या मतलब?

डॉ. घोष: तुमने देखा कि हडाली-4 में एक हाइड्रोलिक सिस्टम है जो उसे हमारी तरह चलने-फिरने और सीढ़ियों से चढ़ने के लायक बनाती थी। इसकी त्वचा हमारी तरह है इसलिए यह मनुष्यों जैसा लगता है। यह धाराप्रवाह बोल सकता है। हडाली-4 काफी हद तक एक इंसान जैसा दिखता था, जब वह उनके बेडरूम में चाय लेकर आया।

SASI: क्रिस्टिन मैडम बेहोश होकर गिर गयीं। उनके वकील ने बाद में कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि कोई अनजान व्यक्ति उनके बेडरूम में घुस आया है।

डॉ. घोष: तब सैमुएल ने इस बारे में तर्क दिया था कि वे खुश है कि उसका रोबोट इंसान जैसा दिखता और व्यवहार करता है। कम से कम यह इतना तो इंसान जैसा है कि क्रिस्टिन से उसे ऐसा रिस्पांस मिले।

SASI: **हंसता है और प्रशंसा करते हुए कहता है**। मुझसे ये मत कहना कि उन्होंने टर्निंग के परीक्षण के बारे में जज को बताया था।

डॉ. घोष: टर्निंग परीक्षण ... एआई के लिए अंतिम परीक्षण! यह पता लगाने के लिए कि कम्प्यूटर एक इंसान की तरह सोचने के काबिल है या नहीं। हां, सचमुच, सैमुएल ने जज को इस पर भाषण देना शुरू कर दिया था।

SASI: **धीरे-धीरे हंसना शुरू कर देता है जबकि डॉ. घोष बोलना जारी रखते हैं।**

डॉ. घोष: सैमुएल ने कहा कि यह मशीन के बुद्धिमान व्यवहार का प्रदर्शन करने की योग्यता का परीक्षण था जो कि जिसे इंसान फर्क नहीं कर सकता था।

SASI: देखो, डीन यहां पर हैं। डीन महोदय, आपका इतनी जल्दी आना अच्छा है। डॉ. घोष ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया। यह एक बहुत बड़ा सदमा था।

मोबाइल की घंटी बजने की आवाज

SASI: ध्यान दें महोदय। हैलो ... हां मैं SASI हूं, हां मैम, हम आपका इंतजार कर रहे हैं।

एक छोटा सा विराम

SASI: वो मैडम क्रिस्टिन राबर्ट्स थीं। वे बस दो मिनट में यहां पहुँचने वाली हैं। अगर आप मुझे इजाजत दें तो मैं फादर ओ' ब्रियेन से बात करके देख लूँ कि चर्च में सारी व्यवस्था हो गयी या नहीं।

डीन: डॉ. घोष, क्या SASI अविश्वसनीय रूप से योग्य नहीं है? मैं उस तरह के आदमी को बुरा नहीं मानूंगा। हो सकता है, वह आकर मेरे साथ काम करना पसंद करेगा। अब जबकि सैमुएल इस दुनिया में नहीं है, तो SASI को रोजगार की जरूरत होगी। लेकिन उसे अपनी भावनाओं पर कैसे काबू करें, यह सीखना होगा।

डॉ. घोष: हां, यह तीसरा रुमाल था, जिसे वह अपनी आंखें और नाक पोंछने के लिए इस्तेमाल कर रहा था।

दृश्य में बदलाव प्रकट करने वाला संगीत

चर्च में अंत्येष्टि का संगीत

श्रीमती घोष: यह दिल को छू लेने वाला समारोह था। वह अपने पीछे कितनी अद्भुत विरासत छोड़कर गए हैं। मेरे पति कहते हैं कि सैमुएल, मशीनों को भावनाओं से लैस करने पर काम कर रहे थे। अगले हफ्ते प्रधान मंत्री के आने की संभावना है... रोओ नहीं, क्रिस्टिन।

क्रिस्टिन: **(रुंधे स्वर में क्योंकि वह रो रही थी। फिर आवाज सामान्य हो जाती है)** हां, मुझे इतना भावुक नहीं होना चाहिए। तुम जानते हो, जब हम शादीशुदा थे, एआई अपने आप में एक नया विषय था। लोग उन्हें यह कहते हुए चिढ़ाते थे कि क्या तुमने पहले कभी अपने इलेक्ट्रिक रेजर से बात की है?

श्रीमती घोष: हालांकि, अगले दशक या और बाद में एआई, शहर में चर्चा का विषय बन गया था। वे मशीनें जिन्हें सैमुएल ने डिजाइन कीं, उनकी गति में इजाफा, पूर्ण सटीकता और विश्वसनीयता में बढ़ोतरी के साथ अनुभव से उनमें सुधार करने की योग्यता भी शामिल थी।

क्रिस्टिन: इस क्षेत्र में होने वाले तीव्र विकास में सैमुएल का बहुत ज्यादा योगदान है।

श्रीमती घोष: तीव्र तो एक शब्द है... मेरे पति, सैमुएल के साथ शतरंज खेला करते थे, जब तक एक दिन सैमुएल ने उन्हें शतरंज (कंप्यूटर प्रोग्राम) से परिचय करवाया। **हंसते हुए**।

क्रिस्टिन: **(दिलचस्पी के स्वर में। जिज्ञासु):** क्या हुआ?

श्रीमती घोष: उन्होंने शतरंज को पहले दिन हरा दिया लेकिन उसके बाद शतरंज हर खेल जीतता गया... उसने सीखना और उन्नति करना जारी रखा। एक मशीन से हारने से उनके अहं को बहुत चोट पहुंचा। फिर उन्होंने शतरंज खेलना छोड़ दिया।

क्रिस्टिन और श्रीमती घोष दोनों हंसते हैं।

क्रिस्टिन: सैमुएल को अपनी भावनाओं को व्यक्त करना कभी भी पसंद नहीं था और इसलिए जब उसने मुझे एक दिन फोन किया तो मैं बेहद अचम्भे में थी... उनके शब्द अभी भी मेरे कानों में गूंज रहे हैं ।

फ्लैशबैक.....

सैमुएल राबर्ट्स: तुम कहते हो कि मैं इंसानों पर विश्वास नहीं करता। उन्हें गूंगे गून व अविश्वास के योग्य और बेईमान समझता हूं। और यह कि मैं अपनी ही दुनिया में रहता हूं। लेकिन क्या तुम यह अस्वीकार कर सकते हो कि हम सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं और मशीनें जिन्हें हमने अपने हाथों से प्रोग्राम किया है, उनको लेकर हम शत प्रतिशत निश्चित होते हैं, हमें उन पर पूरा भरोसा होता है।

क्रिस्टिन: मुझे लगता है कि तुम्हारे पास कहने के लिए कोई जरूरी बात है.....।

सैमुएल राबर्ट्स: यहां पर कोई विश्वासघात नहीं है, इसमें खराबी हो सकती है लेकिन कोई गलतफहमी नहीं।

क्रिस्टिन: लेकिन मशीनें यांत्रिक होती हैं ... यहां कोई भी नहीं ... नहीं ... मैं कैसे बताऊं ... ये जो भी कार्य करती हैं उसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होता,.... क्या कोई मशीन एक मां के स्पर्श की नकल कर सकती है?

सैमुएल: हां। मैं मशीनों को सिर्फ इंटेलिजेंस से नहीं बल्कि काम सीखने की क्षमता और उसमें उचित भावना के साथ करने की योग्यता से भी लैस कर रहा हूं।

पुनः वर्तमान में......

श्रीमती घोष: मुझे लगता है कि प्रधान मंत्री की यात्रा इसी बारे में है।

क्रिस्टिन: वैसे, अगर सैमुएल अब हमारे बीच नहीं है तो भी एआई को विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दृश्य में बदलाव प्रकट करने के लिए संगीत

डीन: अंदर आ जाओ अरिजीत। तो क्या तुम्हें विश्वास है कि तुम प्रधान मंत्री के सामने प्रस्तुति दे सकते हो ... जबकि अब क्योंकि डॉ. राबर्ट्स नहीं रहे ..... पीएमओ

यह जानना चाहता है कि क्या हम कार्यक्रम की तारीक में बदलाव करना चाहते हैं।

अरिजीत: अरे नहीं सर, हम बदलाव नहीं करेंगे। अगर पीएम साहिब को हमारी बात पसंद आती है तो यह एक राष्ट्रीय स्तर के एआई प्रोजेक्ट में बदल सकता है। मैं बस थोड़ा आशंकित हूं कि SASI के व्यवहार से प्रस्तुति का वैज्ञानिक स्वर बदल सकता है।

डीन: उसके बारे में चिंता मत करो ... उससे तुम्हारी वैज्ञानिक प्रस्तुति को एक मानवीय स्पर्श मिल जाएगा। आखिरकार, बेचारे SASI के लिए सैमुएल पिता के समान थे।

अरिजीत: सर, हम भी सैमुएल सर की बहुत इज्जत करते थे लेकिन कोई भी SASI की तरह रोता हुआ चेहरा लेकर नहीं घूम रहा है। मैं अभी उससे गलियारे में मिला, वह बहुत ही उदास दिख रहा था। जैसे कि उसके अपने पिता का निधन हो गया हो और फिर फिर मुझे उनके खुद के बेटे क्रिस्टोफर का ख्याल आया... जो अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने भी नहीं आया ... (गुस्से से) SASI को अपनी भावनाओं को काबू में रखने की जरूरत है।

डीन: (आवाज शांत करते हुए) SASI को भूल जाओ ... पीएम पर ध्यान दो। मुझसे कहा गया है कि पीएम को मशीनों में एआई के दावों के बारे में बताया गया है और वह वैज्ञानिकों से बातचीत करने के लिए तत्पर है।

अरिजीत: आप जानते हैं सर, अंतिम कुछ महीनों में डॉ. राबर्ट्स का यही मंत्र था कि रोबोट को अपने काम के बारे में सीखना चाहिए ताकि उनमें फिर से प्रोग्रामिंग की जरूरत न रहे। फिर भी उन्होंने मेरे साथ कभी भी विस्तार से चर्चा नहीं की और ना ही मैं उनकी फाइलों में कुछ ढूंढ पाया। जापानी दस्ता जो प्रधान मंत्री की बैठक के लिए आ रहा है, उसने कहा है कि डॉ. राबर्ट्स ने उनसे कुछ वजनदार वादा किया था... मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं है कि वो किस बारे में बात कर रहे हैं।

डीन: अरिजीत तुम आसानी से विचलित हो जाते हो। जापानियों को भूल जाओ। तुम अपने व्याख्यान का पूर्वाभ्यास करो।

दृश्य में बदलाव प्रकट करने के लिए संगीत

एक खचाखच भरे हुए सभागार की आवाजें। चहलकदमी की आवाजें। फर्नीचर को व्यवस्थित किया जा रहा है। 'फूलों को बीच में रखो ... पानी की बोतलें कहां हैं .. हैलो हैलो ... माइक टेस्टिंग की आवाजें। बम स्क्वैड ने सभागार को जांच लिया है ... देखो वे जा रहे हैं... जापानी दस्ता पहुंच गया है। आदि'

बिगुलवादक प्रधान मंत्री के आने की घोषणा करता है।

उद्घोषणा": (महिला स्वर): देवियों और सज्जनों, कृपया अपने स्थान पर बैठे रहें। अपने फोन को स्विच आफ कर दें। भारत के प्रधान मंत्री हमारे बीच पधार चुके हैं।

तालियों की आवाज

उद्घोषणा: (पुरुष स्वर): हम थोड़ी ही देर में एआई पर प्रस्तुति आरंभ करेंगे। लेकिन उससे पहले, स्वर्गीय डॉ. सैमुएल राबर्ट्स के खास परिचित SASI उनके जीवन और कार्यों के बारे में हमें बताएंगे।

उद्घोषणा: (महिला स्वर): डॉ. राबर्ट्स का सबसे शानदार आविष्कार एआई के साथ भावनात्मक गुणवत्ता थी। उनका विश्वास था कि इंटेलिजेंस में विकास ही रोबोट के इंटेलिजेंस की चाबी है। डॉ. अरिजीत इस पर विस्तृत जानकारी देंगे।

उद्घोषणा : (पुरुष स्वर): श्री SASI कृपया मंच पर आएं।

संगीत

SASI: देवियों और सज्जनों, हम यहां पर आज एक व्यक्ति को सम्मान देने के लिए इकट्ठा हुए हैं जो अब हमारे बीच नहीं है। मेरे पास उनके अंतिम संदेश की रिकार्डिंग है जिसे वो आपके साथ साझा करना चाहते थे। इसमें सिर्फ कुछ मिनटों का समय लगेगा।

(कैसेट को अंदर डालने की आवाज .. एक बटन दबाया गया।)

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: अगर यह रिकार्डिंग चलाई जा रही है तो इसका मतलब है कि मैं अब जिन्दा नहीं हूं। लेकिन कोई बात नहीं, क्योंकि यह संदेश मायने रखता है, संदेशवाहक नहीं।

दर्शकों की उलझन भरी फुसफुसाहट की आवाजें

डीन अरिजीत से: SASI क्या कर रहा है?

अरिजीत: यह तो कार्यक्रम में शामिल नहीं था। मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं है।

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: मेरा हमेशा से यह मानना है कि मशीनें, इंसान से बेहतर काम कर सकती हैं। वे दोहराव वाले काम को करने में कोई आपत्ति नहीं करती हैं। वे बिना ऊबन या थकान के ऐसा कर सकती हैं।

क्रिस्टिन: (प्रसन्नता भरे स्वर में): ओह सैमुएल, तुम और तुम्हारी मशीनों की तारीफ। मरने के बाद भी तुम मशीनों के बारे में बात कर रहे हो।

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: अगर सही ढ़ंग से प्रोग्राम किया जाए तो वे इंसानों से कम गलतियां करती हैं। उन्हें कॉफी ब्रेक, रियायत या छुट्टियों की आवश्यकता नहीं होती है। हम उन्हें जितना बेहतर प्रोग्राम करेंगे, उतनी इंटेलिजेंस उतनी ही बेहतर होती जाएंगी ।

डीन, प्रधान मंत्री से धीमे स्वर में बात करते हुए: सर, विश्व स्तर पर एआई पर शोध कार्य की शुरुआत 1940 से हो गयी थी। हमने देर में शुरुआत की लेकिन हम अच्छा कर रहे हैं।

प्रधान मंत्री: हम्म...

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: एआई तो इस दिशा में पहला कदम है। अगला तार्किक कदम इमोशनल इंटेलिजेंस है। यह कुछ नहीं बल्कि भावनात्मक सूचनाओं को समझने और भावनाओं के साथ कार्य करने की क्षमता है। इसमें सही अनुभव और भावनाओं की समझ की योग्यता शामिल हैं ताकि वह इसका इस्तेमाल सोचने और भावनाओं को समझने में आसानी से कर सकें।

SASI: मैं इसे विस्तार से बताता हूं। अमिग्दाला या तथाकथित सरीसृप मस्तिष्क अधिकतर इंसान की इमोशनल रिस्पांस की प्रासेसिंग करता है। यह दिमाग का प्राइमरी हिस्सा होता है जो इवोल्यूशन के दौरान बहुत पहले विकसित हुआ था। इंसानों में, उसका संबंध निओकार्टेक्स से होता है। निओकार्टेक्स, सरीसृप मस्तिष्क में आटोमेटिक रिस्पांस पर नियंत्रण रखने का काम करता है। यही वजह है कि डॉ. राबर्ट्स ने हेरफेर किया।

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: लेकिन सबसे खास बात ये है कि कोई भी व्यक्ति अपनी भावनाओं को काबू करना सीख सकता है। इस कौशल को सुधारना संभव है और यही मैंने अपनी मशीनों में किया है ... उनमें से कम से कम एक मशीन में ऐसा किया है।

दर्शकों में उत्साहपूर्ण हंगामा

उद्घोषक: (पुरुष स्वर): कृपया शांति बनाये रखें। हमें सुनने दें कि डॉ. सैमुएल हमसे क्या कहना चाहते थे।

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: देवियों और सज्जनों, मैं अब आपके सामने अपने सपनों की पराकाष्ठा को प्रस्तुत कर रहा हूं। यह एक मशीन है जिसने तुरीन की परीक्षा में शानदार कामयाबी पाई है। यह इमोशनल इंटेलिजेंस के लिए मेयर सलोवे के परीक्षणों के मुताबिक़ है।

SASI: इसका मतलब कि एक मशीन भावनाओं को महसूस कर सकती है, भावना के कारण को समझ सकती है और उस पर काबू भी कर सकती है।

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स (गर्व के साथ आवाज में भी वृद्धि हो रही है): आपने मेरी मशीनों को पिछले दो साल से रोज देखा है लेकिन फिर भी आप में से किसी को यह अहसास नहीं हुआ कि यह एक रोबोट था। आप को भी नहीं डीन ! और अरिजीत तुम जो SASI से इतना इर्ष्या करते थे।

भावनात्मक गुणों से लैस, मेरा मानस पुत्र... जो मेरे लिए एक बेटा नहीं, बेटे से कहीं बढ़कर हो गया। देवियों और सज्जनों, ध्यान से देखिए, SASI, भावनाओं से लैस दुनिया का पहला रोबोट है। अभिवादन करो SASI !

सभागार में हलचल मच जाती है। आवाजें जैसे क्या... SASI .. कौन ... कैसे .... यह सब क्या है?

उद्घोषक (महिला स्वर समझाते हुए): कृपया शांत रहिये। अपने आप को सम्हालिए। यह एक बड़ा रहस्योद्घाटन है।

SASI: मुझे Sa-si नाम दिया गया क्योंकि ये उन दोनों के पहले अक्षर हैं जिन्होंने मुझे बनाया और आज मैं उनकी वजह से अस्तित्व में हूं। मेरे नाम में SA सैमुएल से आता है और SI का संबंध silicon से है जिनसे सैकड़ों-हजारों चिप बनते हैं तथा जिनसे मेरे सर्किट बने हुए हैं। मुझे अपनी शर्ट के बटन खोलने दें ताकि मैं अपनी सर्किट्री आपको दिखा सकूं; जब तक राबर्ट्स आपको थोड़ी और जानकारी देंगे।

उद्घोषक: (महिला की घबराहट भरी स्वर): उफ, हे भगवान... SASI सर क्या कर रहे हैं? वह अपनी शर्ट निकाल रहे हैं ... वहां अंदर कुछ चमकीला सा है ... क्या वह एक बंदूक है?

उद्घोषक: (पुरुष की घबराहट भरी आवाज): दर्शकों में प्रधान मंत्री मौजूद हैं। SASI के पेट में एक पैनल है... वह मनुष्य नहीं है ... नहीं मनुष्य नहीं है, जैसा हमने समझा था... तो फिर वह क्या है? वह पैनल को खोलने की कोशिश कर रहा है... उसके अंदर क्या है? क्या वह गोलियां बरसाएगा?

उद्घोषक: (साहस भरे स्वर में बोलने की कोशिश के साथ): देवियों और सज्जनों, कृपया अपनी सीट पर बैठे रहें।

भगदड़ की आवाज ! शोरगुल...

डीन: **(घबराहट और भय के साथ)** अरिजीत प्रधान मंत्री को सुरक्षा के लिए घेरा बनाओ, मैं उन्हें बाहर निकालता हूं... यह एक बुरे सपने की तरह है... ओह, भगवान को धन्यवाद, कमांडो उन्हें घेरे हुए हैं। मैं देख रहा हूं कि उन्होंने SASI को भी घेरा हुआ है।

क्रिस्टिन: सैमुएल, आप सभी लोग रोबोट में भावनाओं का निवेश कर रहे हैं। जीवन के अंतिम वर्षों में तुमने क्या यू टर्न लिया है। तुमने एक बेटा बनाया जिसने तुम्हें क्रिस्टोफर से कहीं ज्यादा प्यार और सम्मान दिया है। बहुत अच्छे!

सुरक्षा गार्ड की आज्ञा देने वाली स्वर: हिलना नहीं। अपने हाथ ऐसे रखो, जहां हम उन्हें देख सकें। अपने घुटनों पर झुक जाओ..... भारत के प्रधान मंत्री की सुरक्षा को खतरे में डालने और मानवता पर बड़ा खतरा पैदा करने के लिए तुम्हें गिरफ्तार किया जाता है।

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: मैंने SASI को बनाया है। मैं जानता हूं कि वह बुद्धिमान है। वह भावनाओं को महसूस करता है। वह, हम मनुष्यों की तरह प्रतिक्रिया करता है। मुझे अहसास है कि हमारा समाज SASI या किसी ह्यूमनायड मशीन को अपनाने के लिए अभी तैयार नहीं है।

SASI: **(विरोध के स्वर में)** नहीं, नहीं .. आप समझ नहीं रहे हैं। मैं किसी के लिए खतरा नहीं हूं।

गोली चलने की आवाज।

सुरक्षा गार्ड आज्ञा देने वाले स्वर में: बहस मत करो। अगली गोली तुम्हारे सिर के ऊपर से होकर नहीं जाएगी।

.....

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: मेरी पत्नी ने एक बोलने वाले रोबोट के शुरूआती नमूने को देखकर प्रतिक्रिया की थी। उसे लगा कि मानव मर्यादा का उल्लंघन हो गया है। लेकिन यहां उल्लंघन के लिए कोई मर्यादा या सीमा नहीं होती है। SASI यहां है। SASI का अस्तित्व अब है।

सुरक्षा गार्ड आज्ञा देने वाले स्वर में: हवा में हाथ ऊपर करो, वरना हम तुम्हें गोली मार देंगे।

डॉ. सैमुएल राबर्ट्स: मेरी अनुपस्थिति में यहां पर कुछ लोग, हो सकता है कि उसे अलग-थलग देखना चाहते होंगे। उन्हें मैं कहूँगा कि वे याद रखें कि यह मायने नहीं रखता कि

चेतना सिलिकान चिप या कार्बन आधारित ऊतकों पर उकेरी गयी है जिसे कि सफ़ेद या काला होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें चेतना का सम्मान करना चाहिए। SASI सचेतन है। यह याद रखें। उसका सम्मान करें।

मशीन गन के चलने की आवाज।

समापन संगीत के साथ समाप्त।